प्रकाशनार्थ

शिक्षा शास्त्र विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का अभिविन्यास कार्यक्रम बड़े उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र ही नहीं, बल्कि मूल्य, संस्कार और जीवन-निर्माण का भी मंदिर है।आप सभी ने यहाँ प्रवेश लेकर एक सुनहरे भविष्य की नींव रखी है। यहाँ का प्रत्येक कक्ष-कक्ष, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और खेल का मैदान आपको कुछ नया सिखाने के लिए तत्पर है। यह वह स्थान है जहाँ आपके सपने पंख लेंगे, आपकी कल्पनाएँ मूर्त रूप लेंगी और आपके अंदर छिपी प्रतिभा निखर कर सामने आएगी। विभागाध्यक्ष डॉ निधि राय ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए शिक्षा शास्त्र के महत्व एवं विभाग की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। अपने उद्बोधन में इन्होंने कहा कि शिक्षा शास्त्र का अध्ययन केवल शैक्षिक ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह समाज परिवर्तन का सशक्त साधन भी है। विभाग और महाविद्यालय का प्रत्येक शिक्षक सदैव आपके मार्गदर्शन के लिए तत्पर है। आपके समक्ष अब केवल पाठ्यक्रम की किताबें ही नहीं, बल्कि जीवन की महत्वपूर्ण सीख हैं।

डॉ श्याम सिंह ने कहा कि आपके लिए यह समय केवल पाठ्यक्रम पूरा करने का नहीं है, बल्कि आत्म-विकास, चिंतन, शोध और व्यक्तित्व-निर्माण की दिशा में पहला कदम है। डा त्रिभुवन मिश्रा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को बताया कि शिक्षाशास्त्र वह विद्या है जो न केवल ज्ञान प्रदान करती है बल्कि समाज में परिवर्तन लाने की प्रेरणा भी देती है। इन्होंने विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ शोध, मूल्यपरक शिक्षा एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण की दिशा में निरंतर सक्रिय रहने की प्रेरणा दी।

डॉ अखंड प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी से मेरी अपेक्षा है कि आप अनुशासन, परिश्रम और सृजनशीलता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। डॉ सुजीत कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों से जिज्ञासा, समय का सदुपयोग एवं सृजनशीलता को जीवन का मूलमंत्र बनाने का आह्वान किया। इसके पश्चात् अभिविन्यास कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भी अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के साथ जुड़ने पर प्रसन्नता जताई। अंत में आभार ज्ञापन डॉ जागृति विश्वकर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन राधा गोड़ ने, सरस्वती वंदना सोनी,मुस्कान व दीपाली तथा स्वागतगीत

श्वेता,काजल व कुमकुम ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।